हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 141 | देहरादून, शनिवार 25 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

'टनल घोटाला' के 3 सवाल का जवाब दे सरकार : सूर्यकांत धस्माना 3

श्रमिकों को लेकर पीएम मोदी बेहद संवेदनशील

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री से विस्तार से ली जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 25 नवंबर , सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेहद संवेदनशील हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोजाना सिलकयारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को फोन कर अपडेट ले रहे हैं। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत में प्रधानमंत्री ने बचाव कार्य में उत्पन्न होने वाली बाधा और रुकावट के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड से इस सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात से बनी वस्तुओं के ऑगर मशीन के सामने आने पर कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। ऐसे में ऑगर मशीन को रोककर और फिर उसे बाहर निकालकर सभी अवरोधों को श्रमिकों द्वारा दूर किया जा रहा है, जिसके कारण इस प्रक्रिया में समय लग रहा है।

हॉस्पिटल या घर भेजने की व्यवस्था के दिये निर्देश

मुख्यमंत्री को इस दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष निर्देश दिए कि जब श्रमिक टनल से बाहर निकलेंगे तो उनके स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सुरंग के अंदर फँसे श्रमिकों की स्थिति और उनको दी जाने वाली खाद्य और दैनिक दिनचर्या की वस्तुओं के बारे में जानकारी लेने के साथ ही राहत और बचाव कार्य में लगे श्रमिकों की स्थिति और उनके लिए किए जा रहे सुरक्षा के उपाय के बारे में पूछा और निर्देश दिए कि इसमें किसी तरह की कोई कमी न रहे। उन्होंने बचाव कार्य की प्रगति और किए जा रहे कार्यों के साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और यदि किसी अन्य सहयोग की ज़रूरत है तो उस पर जानकारी ली। साथ ही श्रमिकों के परिजनो के बारे में जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री को जानकारी दी कि सिलक्यारा सुरंग में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग करने के साथ ही उनके द्वारा मातली उत्तरकाशी में ही अस्थायी मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया है ताकि बेहतर ढंग से पूरे ऑपेरशन की मॉनिटरिंग हो सके। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 6 इंच व्यास के पाइप लाइन मलवे के सफलता पूर्वक बिछाए जाने के बाद वैकल्पिक लाइफ लाइन बनाई गई है। जिसके माध्यम से टनल में फंसे श्रमिकों तक ताजा पका भोजन, फल, ड्राई फ्रूट्स, दूध, जूस के साथ ही डिसपोजेबल प्लेट्स, ब्रश, तौलिया, छोटे कपड़े, टूथ पेस्ट, साबुन, आदि दैनिक आवश्कता की सामग्री बोतलों में पैक कर भेजी जा रही है। जिससे श्रमिकों के भोजन एवं पोषण की समस्या को लेकर अब कोई चिंता नहीं है।

इसी पाइप लाइन के जरिए एसडीआरएफ द्वारा स्थापित कम्युनिकेशन सेटअप के माध्यम से श्रमिकों से नियमित संवाद किया जा रहा है। इसी माध्यम से श्रमिकों और उनके परिवार जनों को भी बातचीत कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्वयं भी इसी माध्यम से श्रमिकों का हाल-चाल जाना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रमिको एवं उनके परिजनों का मनोबल बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सिलक्यारा में स्थापित अस्थाई अस्पताल में तैनात डॉक्टर्स के द्वारा श्रमिकों के स्वास्थ के निरंतर निगरानी की जा रही है। एम्बुलेंस से लेकर नजदीकी अस्पताल में 41 विशेष बेड श्रमिकों हेतु तैयार किये गए हैं। मनोचिकित्साको के द्वारा भी नियमित रूप से टनल में फंसे श्रमिकों की काउंसलिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राहत और बचाव कार्यों में लगे राहत एवं बचाव कार्य में जुटे श्रमिकों पूरे पूरे मनोयोग एवं अथक परिश्रम से जुटे हुए हैं। इन श्रमिकों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेस्क्यू स्थल पर प्री कॉस्ट आरसीसी बॉक्स कल्वर्ट और ह्यूम पाइप के जरिए सुरक्षा कैनोपी और एस्केप टनल बनाई गई है। इससे किसी भी आपात स्थिति में सुरंग के भीतर रेस्क्यू में जुटे लोगो को सुरक्षित निकासी सुनिश्चित हो सकेगी। सुरक्षा से जुड़ी अन्य विशेष हिदयतो पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन में केंद्र एजेंसीयों के साथ बेहतर समन्वय बनाने हेतु राज्य सरकार की ओर से एक सचिव स्तर के अधिकारी को सिलक्यारा में ही तैनात किया गया है। उत्तरकाशी जिला प्रशासन और राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र प्रतिबद्धता के साथ जुड़ा हुआ है।। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के परिजनों का भी ध्यान रख रही है। परिजनों के आवास, भोजन, कपड़े, एवं परिवहन की व्यवस्था की गई है। परिजनों के समन्वय और उनकी सुविधाओं के जिला एवं राज्य स्तर पर अलग से अधिकारियों की तैनाती की गई है।

अस्थायी कैंप कार्यालय

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मातली (उत्तरकाशी) में स्थापित अस्थायी कैंप कार्यालय से ही शासकीय पत्रावलियों का निस्तारण किया और सिलक्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री धामी सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों की सकुशलता के लिए बुधवार से मातली में ही डटे हैं। शासकीय कार्य बाधित न हो, इसके मद्देनजर मातली से ही मुख्यमंत्री का अस्थायी कैम्प कार्यालय संचालित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने आज जरूरी शासकीय पत्रावलियों को निस्तारित करने के साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही शाम को मुख्यमंत्री ने सिलक्यारा पहुंचकर वहां चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का निरीक्षण किया और ऑपरेशन में जुटी टीम से वार्ता कर आवश्यक जानकारी ली।

12वीं में बिना बायोलॉजी के कैसे बनें डॉक्टर?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , भारत में डॉक्टर बनने की प्रक्रिया काफी कठिन है. अभी तक के नियमों के मुताबिक, इसके लिए 12वीं बायोलॉजी विषय से पास करना अनिवार्य होता था. लेकिन अब नेशनल मेडिकल कमीशन ने इन नियमों में थोड़ा बदलाव किया है. नए नियम के तहत, 12वीं में बायोलॉजी/बायोटेक्नोलॉजी विषय न होने पर भी आप नीट परीक्षा दे सकते हैं.कई स्टूडेंट्स 11वीं में मैथ विषय से पढ़ाई करते हैं. फिर उनका मन बदल जाता है और वह डॉक्टर बनने की इच्छा जताने लगते हैं. लेकिन ऐसा करने के लिए उन्हें 11वीं. 12वीं की पढ़ाई फिर से यानी बायोलॉजी विषयों के साथ करनी पड़ती थी. इसमें बहुत वक्त बर्बाद हो जाता था. हालांकि एनएमसी के नए नियमों में ऐसे उम्मीदवारों को एक ऑप्शन दिया जा रहा है रिपोर्ट के मुताबिक, एनएमसी ने नए निर्देश जारी किए हैं (How to Become Doctor Without Biology). इनके मुताबिक, 12वीं में बायोलॉजी या बायोटेक्नोलॉजी विषय नहीं होने पर 10+2 स्तर की उसकी परीक्षा अलग से पास कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को यह एग्जाम किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से देना होगा.

सभी स्टूडेंट्स को मिलेगा सर्टिफिकेट

12वीं पास करने के बाद 10+2 स्तर की बायोलॉजी या बायोटेक्नोलॉजी विषयों की परीक्षा अलग से पास करने वाले स्टूडेंट्स विदेशी मेडिकल कॉलेज में भी एडमिशन ले सकेंगे. नेशनल मेडिकल कमीशन इन स्टूडेंट्स को एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट इश्यू करेगा. उसके आधार पर यह स्टूडेंट्स विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए योग्य माने जाएंगे.

सजा कम करवाने के लिए अपराधी पढ़ते हैं किताबें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , दुनिया के कई देशों में अपराध करने पर अपराधियों को अलग-अलग सजा के प्रावधान हैं। भारत में जहां पर अपराध साबित होने पर उम्रकैद समेत फांसी की सजा दी जाती हैं। वहीं कई देशों अपराधियों सजा के कठिन सजा दी जाती है। इन सब के अलावा दुनिया का एक देश ऐसा भी जहां पर अपराधियों जेल में किताबें दी जाती हैं। ताकि उन्हें सजा कम करने का मौका मिल सके। जीं हां वेस्ट सेंट्रल साउथ अमेरिका में स्थित देश बोलीविया की जेलों में कैदियों को किताबें पढ़ने पर सज़ा कम हो जाती है।इस कार्यक्रम को बुक्स बिहाइंड बार्स का नाम दिया गया है। इस कार्यक्रम की थीम है कि किताबें पढ़िए, सज़ा कम कराइए और फिर मुस्कुराते हुए बाहर जाइए। इस कार्यक्रम का एक और उद्देश्य साक्षरता बढ़ाना भी है। बोलीविया की जेलों में कैदियों के लिए मौत की सज़ा या उम्रकैद की सज़ा नहीं है।यहां जो कैदी ज़्यादा किताबें

पढ़ते हैं, उन्हें सज़ा पूरी करने से पहले ही रिहा कर दिया जाता है। हालांकि, आम तौर पर यहां की जेलों में बंद कैदियों में ज़्यादातर बहुत पढ़े-लिखे नहीं हैं। इसलिए उनके लिए किताबें पढ़ना थोड़ा समय लेने वाला काम है। यह कार्यक्रम ब्राज़ील में चलाए गए ऐसे ही एक कार्यक्रम से प्रभावित है। काफी संख्या में कैदी इस कार्यक्रम का फायदा भी उठा चुके हैं।

यहाँ रात भर बेऔलाद खड़ा दिया जलाकर करेंगे तपस्या !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , संतान प्राप्ति की कामना के लिए श्रीनगर गढ़वाल के कमलेश्वर महादेव मंदिर में खड़ा दीया अनुष्ठान होने जा रहा है। इस अनुष्ठान के लिए अब तक 230 दंपतियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें कई राज्यों के साथ ही दो दंपत्ति विदेश से भी हैं। पौराणिक कमलेश्वर महादेव मंदिर में आगामी 25 नवंबर को बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर खड़ा दीया अनुष्ठान होगा। मंदिर के महंत आशुतोष पुरी ने बताया कि बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर मंदिर में संतान कामना के लिए दंपती यह अनुष्ठान करते हैं।

रातभर जलता दीया हाथ में लेकर अनुष्ठान करेंगे दंपती

मान्यता है कि खड़ा दीया अनुष्ठान करने वाले दंपती को संतान प्राप्ति होती है। अनुष्ठान के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। अभी तक देश के विभिन्न हिस्सों सहित विदेश से भी 230 दंपती पंजीकरण करा चुके हैं। पंजीकरण आगामी 24 नवंबर शाम पांच बजे तक किए जा सकते हैं। कमलेश्वर महादेव मंदिर में हर साल कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी की रात दंपती संतान कामना के लिए भगवान शिव की पूजा करते हैं। मान्यता है कि दानवों पर विजय पाने के लिए भगवान विष्णु ने श्रीनगर के बागवान में स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव से वरदान पाने के लिए तप किया था।

भगवान विष्णु इस अनुष्ठान को करते हुए शिव के सहस्त्रनाम के अनुरूप जाप करते हुए एक हजार कमल पुष्प चढ़ाने लगे। भगवान शिव ने श्रीहरि विष्णु की परीक्षा लेने के लिए एक कमल छुपा दिया था। एक कमल पुष्प कम होने से यज्ञ में कोई बाधा न पड़े इसीलिए श्रीहरि विष्णु ने अपना एक नेत्र अर्पित करने का संकल्प लिया। श्रीहरि के इस संकल्प से प्रसन्न होकर भगवान भोलेनाथ ने विष्णु भगवान को अमोघ सुदर्शन चक्र वरदान के रूप में दिया। इस दौरान संतान प्राप्ति की मनोकामना लेकर मंदिर में पूजा करने आये एक दंपत्ति ने भगवान की यह लीला देखी। जिस पर मां पार्वती के अनुरोध पर भगवान शिव ने उस दंपती को संतान प्राप्ति का वरदान दिया।

तभी से कमलेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर दंपती संतान प्राप्ति के लिए खड़ा दीया अनुष्ठान करते हैं। इसके अलावा यह मान्यता भी है कि भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण के वध के बाद ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति के लिए इस स्थान पर भोलेनाथ की आराधना की थी। बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर अनुष्ठान के लिए उत्तराखंड समेत पंजाब, गुजरात, कर्नाटक, बेंगलुरु, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा के साथ ही जर्मनी और पोलैंड से भी दंपतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अभी और पंजीकरण होने की संभावना भी है।

महंत आशुतोष पुरी ने मीडिया को बताया कि सनातन धर्म के प्रति विदेशियों में भी काफी आस्था है। इससे पहले भी कई बार विदेशी भक्त यहां पर खड़ा दिया अनुष्ठान कर चुके हैं। खड़ा दिया अनुष्ठान को लेकर मंदिर समिति द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 24 नवंबर से श्रद्धालु मंदिर में पहुंचने शुरू हो जायेंगे। यह अनुष्ठान गोधूलि बेला में शुरू किया जाएगा और पूरी रात चल कर सुबह तीन बजे बजे इस अनुष्ठान का समापन होगा।

मनोकामना लेकर दंपत्ति रात भर हाथ में जलता दिया लेकर खड़े रह कर पंचाक्षरी मंत्री का जाप करते हैं। सुबह के समय वे अनुष्ठान पूरा होने पर महंत को साक्षी मानकर दीया उनको अर्पित करते हैं। उसके बाद स्नान कर हवन होता है और फिर उनकी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हुए महंत उन दंपत्तियों को श्रीफल देते हैं। अनुष्ठान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और उनके परिजनों को किसी तरह की परेशानियां न हो इसे देखते हुए भी व्यवस्थाएं की गई है। विद्युत हो कि कमलेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव के सिद्ध पीठो में से एक है। यह मंदिर पौड़ी जिले के श्रीनगर गढ़वाल क्षेत्र में आता है।

बोर्ड परीक्षा का स्ट्रेस होगा दूर अच्छे रिजल्ट लाएंगे ये टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , अगर बोर्ड परीक्षा को अन्य क्लासेस की सामान्य फाइनल परीक्षाओं की तरह देखा जाए तो इसकी तैयारी करना बहुत आसान है. लेकिन हमारी कंडीशनिंग ही ऐसी होती है कि 9वीं क्लास से ही बोर्ड परीक्षा का स्ट्रेस दिमाग में बैठ जाता है. असल में बोर्ड परीक्षा का समय आने तक यह स्ट्रेस सिर पर हावी होने लग जाता है.सभी करियर एक्सपर्ट और साइकोलॉजिस्ट बोर्ड परीक्षा से पहले बिल्कुल भी तनाव न लेने की सलाह देते हैं. दरअसल, ज्यादा स्ट्रेस आपकी प्रोडक्टिविटी पर असर डाल सकता है. जो स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा शुरू होने से पहले ही बोर्ड रिजल्ट का स्ट्रेस लेने लग जाते हैं, वह प्री बोर्ड में भी अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाते हैं. जानिए कुछ टिप्स, जिनकी मदद से बोर्ड परीक्षा का तनाव कम कर सकते हैं. बोर्ड परीक्षा में टॉप मार्क्स स्कोर करने के लिए खुद को शांत रखना जरूरी है. रिवीजन के दौरान जरा भी स्ट्रेस न लें. जानिए बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान स्ट्रेस से बचने के ये हैं बेहतरीन टिप्स-

1- तय करें पढ़ने की जगह- घर में पढ़ाई की जगह फिक्स रखें. घर के किसी भी कोने में पढ़ाई करने के बजाय एक निश्चित जगह पर अपनी स्टडी टेबल सेट करें (Board Exam Preparation Tips). उसे हमेशा साफ रखें और उस पर किताबों का पहाड़ न इकट्ठा करें. स्टडी स्पेस के साफ रहने से पॉजिटिव एनर्जी मिलेगी और आप अच्छे मन से पढ़ाई कर पाएंगे.

2- पूरी नींद से मिलेगा आराम- कई स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा से पहले अपना स्लीपिंग शेड्यूल बिगाड़ लेते हैं. इससे माइंड रिलैक्स नहीं हो पाता है और स्ट्रेस बढ़ता जाता है (Study Tips for Board Exam). हर रात कम से कम 6-7 घंटे की नींद जरूर लें. इससे आप सुबह बिल्कुल फ्रेश मूड में उठेंगे और ज्यादा एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर पाएंगे.

3- योग से रहेंगे निरोग- यह सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि अटल सत्य है. बोर्ड परीक्षा से पहले या उसके दौरान खुद को स्ट्रेस फ्री रखने के लिए योग का सहारा जरूर लें. रोजाना नियमित रूप से योग करने से स्ट्रेस दूर कर सकते हैं, साथ ही खुद को फिट भी रख सकते हैं. इसके अलावा अपने खान-पान पर भी ध्यान दें. कुछ महीनों तक जंक फूड से दूरी बना लें.

4- पॉजिटिविटी है जरूरी- अगर कोई बोर्ड रिजल्ट के बारे में डराकर आपको स्ट्रेस दे रहा है तो कुछ समय के लिए उससे दूरी बना लें. इस दौरान खुद को पॉजिटिव लोगों के आस-पास रखें. सोशल मीडिया का ज्यादा इस्तेमाल न करें और घूमने-फिरने के प्लान भी स्थगित कर दें. लेकिन हर कुछ घंटे की पढ़ाई के बाद शॉर्ट ब्रेक जरूर लें.

पूर्व सीएम हरीश रावत ने मैक्स अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा की सराहना की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 नवंबर, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश सिंह रावत ने हाल ही में देहरादून में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए, विशेष रूप से मैक्स अस्पताल देहरादून में प्राप्त देखभाल से अपनी संतुष्टि पर प्रकाश डाला। दिग्गज कोंग्रेसी हरीश रावत, जिन्हें एक आकस्मिक मामले के कारण छह दिन पहले भर्ती कराया गया था, ने त्वरित ध्यान देने और प्रदान की गई व्यापक सेवाओं के लिए अपनी सराहना व्यक्त की।

एक स्पष्ट प्रशंसापत्र सन्देश में, रावत ने कहा, ₹मुझे एक आकस्मिक मामले के कारण मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके दौरान अन्य स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ थीं जिनका समाधान किया जाना था। मेरी देखभाल बहुत तत्परता से की गई, और सबसे सराहनीय चीजों में से एक है मैं हर दिन न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में बल्कि मैक्स में आतिथ्य और समर्थन में भी सकारात्मक बदलाव देख सकता हूं। यह देहरादून शहर के लिए बहुत अच्छी बात है।"

उनका प्रशंसापत्र देहरादून में विकसित हो रहे स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य पर प्रकाश डालता है, जिसमें न केवल मैक्स अस्पताल में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा देखभाल बल्कि आतिथ्य और सहायता सेवाओं में सकारात्मक प्रगति पर भी जोर दिया गया है। पूर्व सीएम रावत का अनुभव शहर में स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार की व्यापक कहानी बताता है। यह प्रशंसापत्र देहरादून में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सकारात्मक विकास की उल्लेखनीय स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। यह समग्र रोगी अनुभव को बढ़ाने और समुदाय की भलाई में योगदान करने के लिए क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के प्रयासों को दर्शाता है।

मैक्स हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने जारी बयान में कहा कि पूर्व सीएम हरीश रावत का प्रशंसापत्र देहरादून में विकसित हो रहे स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य पर एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करता है और न केवल चिकित्सा देखभाल में बल्कि आतिथ्य और सहायता सेवाओं के मामले में भी की जा रही सकारात्मक प्रगति पर प्रकाश डालता है। रावत जी के अनुभव और क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल के लिए इसके व्यापक प्रभावों पर अधिक विवरण प्रदान किया गया है। हमारा मानना है कि यह प्रशंसा सकारात्मक विकास को उजागर करने और आम आदमी की स्वास्थ्य सेवा और जन सरोकार की भलाई में योगदान देने में हमारा हौसला बढ़ाएगा।

'टनल घोटाला' के 3 सवाल का जवाब दे सरकार : सूर्यकांत धस्माना

- 1.सिलक्यारा टनल पर ₹एस्केप पैसेज₹ के प्रावाधान को क्यों किया नज़रंदाज़ ?
- 2.सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी की सिफारिशों का क्यों किया गया उलंघन ?
- 3.सिलक्यारा आपदा के जिम्मेदारों पर अब तक कार्यवाही क्यों नहीं ?

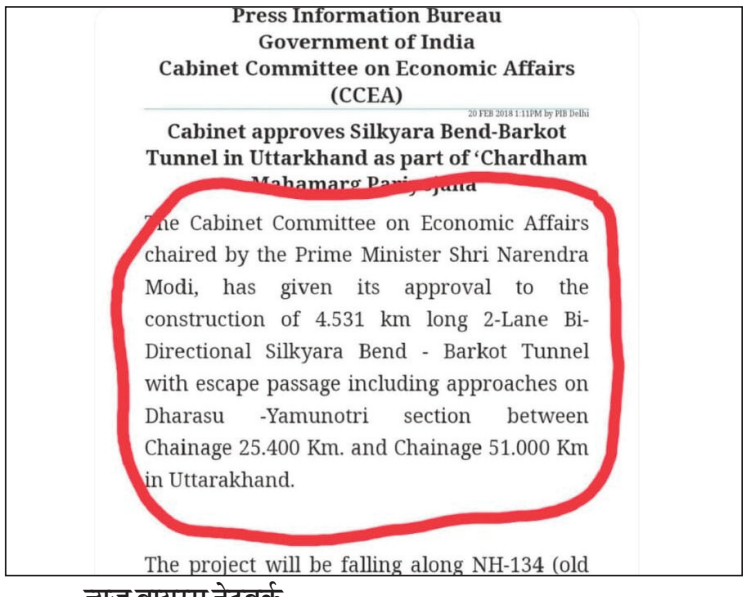

Press Information Bureau
Government of India
Cabinet Committee on Economic Affairs
(CCEA)

20 FEB 2018 1:11PM by PIB Delhi

Cabinet approves Silkyara Bend-Barkot Tunnel in Uttarkhand as part of 'Chardham Mahamarg Pariyojana

The Cabinet Committee on Economic Affairs chaired by the Prime Minister Shri Narendra Modi, has given its approval to the construction of 4.531 km long 2-Lane Bi-Directional Silkyara Bend - Barkot Tunnel with escape passage including approaches on Dharasu -Yamunotri section between Chainage 25.400 Km. and Chainage 51.000 Km in Uttarakhand.

The project will be falling along NH-134 (old

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 25 नवंबर , उत्तरकाशी के यमुनोत्री राष्ट्रीय राज मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग को 20 फरवरी 2018 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने हरी झंडी दी जिसमें स्पष्ट रूप से एस्केप पैसेज का जिक्र है फिर ऐसे में बिना एस्केप पैसेज व आपातकालीन निकासी के निर्माण के बिना प्रधानमंत्री की कमेटी के निर्णय का उलंघन करते हुए कैसे साढ़े चार किलोमीटर की सुरंग बनाई जा रही थी यह सवाल कांग्रेस एआईसीसी सदस्य व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 20 फरवरी 2018 में हुई बैठक के बारे में जारी प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो भारत सरकार के प्रेस नोट को प्रेस को जारी करते हुए पूछा कि इस निर्णय के बाद क्या कारण है कि साढ़े चार किलोमीटर लंबी सुरंग में न तो एस्केप पैसेज न कोई आपातकालीन निकासी का प्रबंध किया गया था ? धस्माना ने कहा कि ऊपर से पांच दिन पूर्व केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री उत्तरकाशी में सिलक्यारा टनल पर प्रेस के द्वारा पूछे गए आपातकालीन निकासी के सवाल पर इस चूक को स्वीकार करने की जगह जनता को गुमराह करने के लिए कह गए कि भविष्य में जो टनल बनेंगी उन में आपातकालीन निकासी की व्यवस्था होगी।

उन्होंने ने कहा कि पूरे चार धाम प्रोजेक्ट में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा गठित हाई पावर कमेटी की सिफारिशों की भी अवहेलना की जा रही है और एमसीटी (मेन सेंट्रल थ्रस्ट) वाले संवेदनशील क्षेत्रों में भी 5.5 मीटर की जगह 12 मीटर चौड़ाई का काम किया जा रहा जो भू धसाव और भूस्खलन का बड़ा कारण बन रहा है। उन्होंने सवाल किया कि सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी के दिशा निर्देशों की अव्हेलना किस की शह पर हो रही है ? धस्माना ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग आपदा में जिम्मेदार किन किन लोगों एजेंसियों व कार्यदायी संस्थाओं पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है इसका जवाब राज्य सरकार व सड़क परिवहन मंत्री को देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार हमारे सवालों का जवाब नहीं देती तो इसका साफ मतलब है कि यह एक बड़ा ₹टनल घोटाला₹ है। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस राज्य की सबसे बड़ी व जिम्मेदार विपक्षी पार्टी होने के नाते जनता की ओर से सरकार से यह वाजिब सवाल कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हर नेता व एक एक कार्यकर्ता ईश्वर से सिलक्यारा सुरंग आपदा में फंसे सभी 41 श्रमिकों के सुरक्षित निकल आने की प्रार्थना कर रहे हैं व रेस्क्यू आपरेशन में लगे सभी देश विदेश के एक्सपर्ट्स ,एसडीआरएफ एनडीआरएफ ,राज्य पुलिस व सिविल अधिकारी व कर्मचारियों को सदुवाद देते हैं व उनकी मेहनत की सफलता की कामना करते हैं।

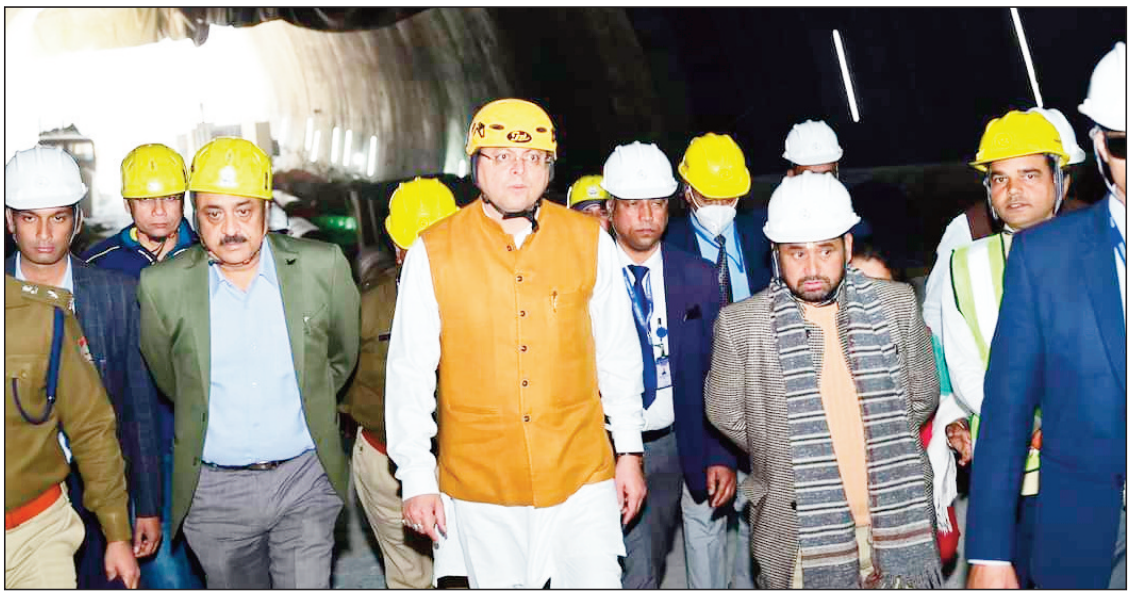

स्मार्टसिटी को दुरुस्त करने में दिख रही है सोनिका की सख्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,24 नवंबर 2023 (जि.सू.का) जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने शहर में चल रहे स्मार्ट सिटी के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ईसी रोड, आराघर, हरिद्वार रोड आदि स्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कार्यों को समयसीमा निर्धारित कर सम्बन्धित अधिकारियों को युद्धस्तर पर कार्य पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने शहर में गतिमान निर्माण, सौन्दर्यीकरण कार्यों को युद्धस्तर पर पूर्ण करने तथा सड़कों पर निर्माण सामग्री अव्यस्थित न इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कहा कि शहर की सड़कें सुगम,सुरक्षित एवं सुन्दर हो निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों को युद्धस्तर पर पूर्ण करने हेतु विभिन्नि साईटों पर श्रमिकों की संख्या बढाने के निर्देश। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों में किसी प्रकार की हीलाहवाली न बरती जाए।

जिलाधिकारी ने माह नवम्बर के अंत तक शहर में संचालित सभी निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को प्रतिदिन साईट पर कार्यों की प्रगति देखते हुए मॉनिटिरिंग करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्टे^{a}ट प्रत्युष सिंह, तहसीलदार सदर मौ शादाब, अधि0 अभि0 लोनिवि प्रवीण कुश सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं ठेकेदार आदि उपस्थित रहे।

पहाड़ के चाचा-भतीजे ने अपने गांव को बना दिया शानदार टूरिस्ट प्लेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 25 नवंबर : पलायन के लिए बदनाम रहे पहाड़ में अब तस्वीर बदलने लगी है। पिछले कुछ सालों में यहां रिवर्स पलायन हुआ है, साथ ही प्रदेश युवा अब बाहरी प्रदेशों में धक्के खाने के बजाय पहाड़ में रहकर ही रोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। आज हम आपको उत्तरकाशी जिले के भगत सिंह रावत और उनके भतीजे चैन सिंह रावत की सक्सेस जर्नी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने स्वरोजगार की पहल कर अपने गांव को टूरिस्ट प्लेस के तौर पर विकसित किया है। देशभर के पर्यटकों का ध्यान अपने गांव की ओर खींचा है। भगत रावत और उनके भतीजे चैन सिंह रावत सांकरी-सौड़ गांव में रहते हैं। भगत सिंह रावत बताते हैं कि साल 1995 से उनके क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही शुरू हुई, लेकिन भगत सिंह रावत का सफर इससे कई साल पहले शुरू हो चुका था।

वो बताते हैं कि लगभग 40 साल पहले कुछ लोग केदार कांठा ट्रैकिंग के लिए आए थे, तब भगत सिंह ने उन पर्यटकों को केदारकांठा Kedarkantha Trek Sankri Village का रास्ता बताया। भगत सिंह इस क्षेत्र में बकरियां चराने जाया करते थे, जाते वक्त पर्यटक उन्हें 75 रुपये देकर गए, जो कि उनके लिए बड़ी रकम थी। बाद में वो घरवालों से छिपकर पर्यटकों को ट्रैकिंग कराने लगे। भगत रावत के काम में उनके भतीजे चैन सिंह रावत ने भी साथ दिया।

चैन सिंह रावत ने उत्तरकाशी से टूरिज्म में पोस्ट ग्रेजुएशन के साथ ही पर्वतारोहण का भी कोर्स किया है। अपनी पढ़ाई पूरी कर वे अपने गांव साँकरी-सौड़ वापस आ गए। यहां साल 2002 में हरकी दून प्रोटेक्शन एंड माउंटेनियरिंग एसोसिएशन की शुरुआत की, जिससे आज उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर सहित 250 से 300 लोग जुड़े हुए हैं। उनकी इस पहल के कारण अब गांव के ज्यादातर घरों में होम स्टे बना दिए गए हैं।

पर्यटक यहां उत्तराखंड के पारंपरिक घरों (Kedarkantha Track Sankri Village) में रुकते हैं और यहां का पहाड़ी खाना खाते हैं। जब भी कोई गेस्ट आता है तो

उसका पहाड़ी अंदाज में खूब सत्कार किया जाता है। गांव में होम स्टे चलाने के साथ खेती करने वाले बलबीर सिंह बताते हैं कि इस काम में खर्च काटकर उन्हें लगभग ढाई से तीन लाख रुपये तक का मुनाफा हो जाता है। चैन सिंह रावत कहते हैं कि उनके गांव से अब पलायन खत्म हो गया है, गांव की ये तस्वीर सचमुच सुकूनदेह है। प्रदेश के हर गांव में ऐसे प्रयास किए जाने चाहिए।

दवाओं पर क्यों होती है लाल पट्टी, क्या होता है इस लाइन का अर्थ ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 नवंबर : हमारे आसपास जानने के लिए इतना कुछ है, जिसे हम लोग लगभग हर रोज देखते हैं पर हमें ये मालूम नहीं होता कि उनका असल में मतलब किया होता है. दवाओं को ही ले लीजिए. आपने कई बार दवा की दुकानों से दवाएं खरीदी होंगी. ऐसी कई दवाएं आपने देखी होंगी, जिनके पत्तों के ऊपर लाल रंग की लाइनें बनी होती हैं. इन पट्टियों (Why red line on medicine) के पीछे बहुत बड़ा कारण होता है, जिसके बारे में शायद ही लोग जानते होंगे. तो चलिए आपको हम बताते हैं।

न्यूज18 हिन्दी की सीरीज अजब-गजब नॉलेज के तहत हम आपके लिए लेकर आते हैं देश-दुनिया से जुड़ी ऐसी जानकारियां, जो सभी को हैरान कर देती हैं. आज हम बात करेंगे दवा के पत्तों पर बनी लाल लाइनों (Why red colour line on medicine) के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने दवाओं से जुड़ा ये सवाल किया- "दवाइओं के पत्तों पर लाल रंग की पट्टी क्यों बनी होती है?" सवाल रोचक था, तो हमने सोचा कि आपको इसका उत्तर देते हैं. पर उससे पहले देखते हैं कि लोगों ने इस सवाल का उत्तर क्या दिया।

अजय कुमार नाम के यूजर ने कहा- "दवा के पैकेट पर लाल रंग का मतलब है कि दवा बिना डॉक्टर के पर्चे के बेची जा सकती है और न ही डॉक्टर की सलाह और नुस्खे के बिना इस्तेमाल की जा सकती है. एंटीबायोटिक दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए निर्माताओं ने पैकेट पर लाल पट्टी लगा दी. पैकेट पर लाल पट्टी के अलावा और भी कई उपयोगी चीजें लिखी होती हैं जो समान रूप से महत्वपूर्ण होती हैं. कुछ दवाओं पर Rx लिखा होता है, जिसका मतलब है कि डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही दवा लेनी चाहिए. दवा के कुछ पैकेटों पर NRx लिखा होता है, जिसका मतलब है कि केवल वही डॉक्टर उन दवाओं के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं जो उन दवाओं को लिख सकते हैं. कुछ दवाओं पर XRx भी लिखा होता है और इसका मतलब है कि दवा सिर्फ डॉक्टर से ही ली जा सकती है."

जगदीप सिंह नाम के एक यूजर ने कहा- "जिन दवाइयों के पत्तों पर लाल रंग की पट्टी बनी हुई मिलती है वह लाल पट्टी इस बात की ओर संकेत करती है कि आप बिना डॉक्टर की सलाह लिए इस दवाई का प्रयोग ना करें आपके लिए यह दवाई का उपयोग करना खतरे से खेलने के बराबर हो सकता है।

चलिए अब आपको बताते हैं कि विश्वस्नीय सोर्सेज का इसपर क्या कहना है. मुंबई के सबसे प्रसिद्ध कोकिलाबेन अस्पताल की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार जिन दवाओं के पत्तों पर लाल लाइनें बनी होती हैं, उसका अर्थ ये होता है कि वो दवाएं बिना डॉक्टर के परामर्श या उनके पर्चे के ना बेची जा सकती हैं और ना ही खरीदी जा सकती हैं. ऐसी दवाओं का सेवन करने से पहले हमेशा डॉक्टरों से सलाह लेना जरूरी होता है. इस लिहाज से कोरा पर लोगों के जवाब सही हैं।

गंदा बिस्तर ठीक नहीं किया तो लगेगा जुर्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , घर की साफ़ सफाई रखना , किचेन , बेडरूम ड्राइंगरूम को चमकाए रखना सब चाहते हैं इसके लिए बाकायदा सर्वेंट भी रखते हैं लेकिन शुक्र मनाइए कि आप चीन में नहीं हैं, वरना बुनियादी घरेलू कामों को नजरअंदाज करने पर यहां आप पर भारी जुर्माना भी लग सकता है. हालांकि, सिचुआन के पुगे जिले के इस फैसले ने सोशल मीडिया पर खूब हंगामा मचाया हुआ है. लोग स्थानीय प्रशासन के फैसले का जमकर विरोध कर रहे हैं.

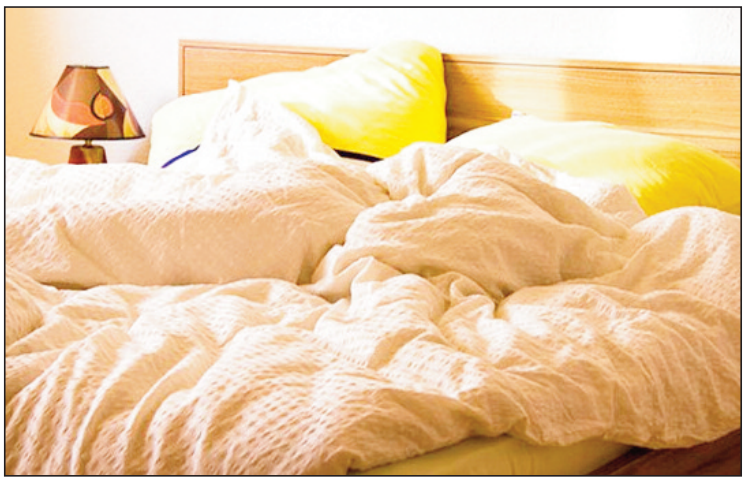

यहां बिस्तर गंदा और खाने के तरीके पर भी है फाइन

घर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना बेहद जरूरी होता है. क्योंकि, आपके यहां आने वाले लोग यह देखकर ही अनुमान लगाते हैं कि आप कितने हाइजेनिक और कितने व्यवस्थित हैं. हालांकि, गंदगी में रहने को लेकर आप पर कभी कोई जुर्माना नहीं लगता है. लेकिन एक देश ऐसा भी है, जहां अगर आपने बुनियादी घरेलू कामों को नजरअंदाज किया तो आप पर जुर्माना भी ठोका जा सकता है.साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, चीन के सिचुआन प्रांत के पुगे काउंटी में एक नई पॉलिसी बनाई गई है. जिसके तहत अगर किसी के घर में बुनियादी घरेलू कामों का अभाव दिखा, तो उन पर अब जुर्माना लगाया जाएगा. पुगे जिले के अधिकारियों का कहना है कि वे उन लोगों पर अब 1.4 डॉलर का जुर्माना लगाएंगे, जो अपना बिस्तर ठीक नहीं करते हैं या बर्तन बिना धोए ही छोड़ देते हैं. इतना ही नहीं, खाने के दौरान लोगों के बैठने के स्टाइल का भी जिक्र किया गया है. इसमें कहा गया है कि अगर वे उकड़ू बैठकर खाते हैं, तो उन पर 2.8 डॉलर का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा.स्थानीय प्रशासन की मानें, तो उनका मकसद लोगों के रहन-सहन के तरीके को बेहतर करना है. अधिकारियों ने कुल 14 कैटेगरी की एक सूची बनाई है, जिनमें जुर्माने का प्रावधान है. वे घरों का औचक निरीक्षण करेंगे. फिर जुर्माने पर फैसला लेंगे. इस दौरान लोगों के घरों में मकड़ी के जाले, अव्यवस्थित चीजों और गंदगी की जांच की जाएगी. अगर कोई गलती दोहराता हुआ पाया गया, तो जुर्माना दोगुना करने का भी प्रावधान है.इस घोषणा को लेकर चीनी सोशल मीडिया पर नई बहस छिड़ गई है. एक यूजर का आरोप है कि ऐसा करके स्थानीय प्रशासन लोगों की निजी जिंदगी में दखल देने की कोशिश कर रहा है. यूजर ने तंज कसते हुए लिखा है, प्रशासन ये देखना चाहता है कि आपने अपना बिस्तर ठीक किया है या नहीं? वहीं दूसरे यूजर ने जुर्माने की मंशा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि धन उगाही का प्रशासन ने नया तरीका ईजाद किया है. हालांकि, कुछ यूजर्स इसके समर्थन में भी नजर आए.

बिल्ली म्याऊं ही क्यों बोलती है और इसका मतलब क्या होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , बिल्ली की आवाज के बारे में यदि सवाल किया जाए, तो बहुत से लोगों को लगता है कि वे म्याऊं की आवाज निकालती हैं. लेकिन क्या यह सच है कि बिल्ली केवल म्याऊं की आवाज निकालती है? क्या यह आवाज केवल साधारण होती है? क्या बिल्ली की आवाजें किसी न किसी प्रकार के संचार का संकेत होती हैं?बिल्ली की आवाज में सिर्फ म्याऊं नहीं होता. जब ध्यान से सुना जाता है, तो पता चलता है कि बिल्ली विभिन्न प्रकार की आवाजें निकालती है, जिनमें सबसे अधिक जान पहचान की जाने वाली म्याऊं होती है. पालतू जानवरों की देखभाल की कंपनी, रोवर के बिल्ली विशेषज्ञ माइकल डेलगाडो का कहना है कि बिल्ली की आवाज केवल एक आवाज नहीं होती, बल्कि यह संचार का एक तरीका होता है.वास्तव में जब बिल्ली म्याऊं कहती है, तो यह मतलब होता है कि वह भूखी है और अपने मालिक का ध्यान चाहती है. लेकिन बिल्ली अक्सर अपनी आवाज को बोरियत में निकालती है, या फिर केवल हेलो की तरह अभिवादन के लिए भी निकालती है. यह जानवर बहुत चतुर और स्मार्ट होते हैं और वे जल्दी सीख जाते हैं कि जब वे म्याऊं करते हैं, तो उनकी मांग पूरी हो जाती है.

यह आवाज़ कोड वर्ड की तरह करता है काम

बिल्लियां क्या केवल इंसानों से ही संचार करती हैं? यह अजीब बात है कि बिल्लियाँ अपने आपस में संचार के लिए इस आवाज का उपयोग नहीं करती हैं. वे केवल इंसानों के साथ संचार करते समय ही म्याऊं की आवाज निकालती हैं. लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें कुछ अपवाद भी होते हैं. जब बिल्लियां अपने बच्चों की तलाश में होती हैं, तो भी वे म्याऊं की आवाज निकालती हैं, और बच्चे भी इसी आवाज को निकालते हैं.

क्या है माइक्रो चीटिंग जो बना रही है रिश्तों में दूरियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 नवंबर : किसी भी रिश्ते को बनाना जितना मुश्किल होता है, उसे निभाना उससे भी ज्यादा कठिन होता है। रिश्ते कांच की तरह नाजुक होते हैं, जो छोटी-सी गलतफहमी और लापरवाही से टूट सकते हैं। इन दिनों लगातार कई ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां वर्षों पुराने रिश्ते भी टूटते नजर आ रहे हैं। किसी भी रिश्ते को बनाए रखने के लिए उसमें न सिर्फ प्यार जरूरी होता है, बल्कि विश्वास और सम्मान की बेहद अहम होता है। हालांकि, इन दिनों लोगों की बदलती पसंद और आदतों का असर रिश्तो पर भी दिखाई देने लगा है।

आजकल कई रिश्तो में माइक्रो चीटिंग देखने को मिल रही है। आप में से कई लोगों ने शायद ही इसके बारे में सुना या पढ़ा होगा। दरअसल, यह एक तरह का धोखा ही होता है, लेकिन इसके बारे में कम जानकारी होने की वजह से लोग आसानी से इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। ऐसे में अक्सर व्यक्ति को इस बात का पता भी नहीं चलता कि वह जाने अनजाने में अपने पार्टनर के साथ माइक्रो चैटिंग कर रहा है। अगर आप भी इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार साबित होगा।

इन दिनों हर कोई अपना ज्यादातर समय घर से ज्यादा बाहर या ऑफिस में गुजार रहा है। ऐसे में जाने-अनजाने हम कई बार किसी दूसरे व्यक्ति के इतने करीब आ जाते हैं कि उससे अपने जीवन की सभी छोटी-बड़ी बातें डिस्कस करने लगते हैं। अगर आप भी किसी व्यक्ति के साथ इसी तरह की चीजें साझा कर रहे हैं, तो यह माइक्रो चीटिंग कहलाती है। माइक्रो चीटिंग की वजह से बना यह रिश्ता इमोशनल बॉन्डिंग से लेकर शारीरिक संबंधों तक पहुंच सकता है, जिसका असर आपके असल रिलेशन पर धीरे-धीरे नजर आने लगता है। अगर आपको भी अपने रिलेशन में यह संकेत नजर आ रहे हैं, तो यह माइक्रो चीटिंग की सकती है-अगर आप एक रिश्ते में हैं और अचानक ही आपके और आपके पार्टनर के बीच झगड़े बढ़ते जा रहे हैं, तो यह माइक्रो चीटिंग की वजह से हो सकता है। दरअसल, किसी अन्य से बढ़ती नजदीकियों की वजह से आप अपने कमिटेड पार्टनर से दूर होने लगते , जिसकी वजह से छोटी-छोटी बातों पर भी झगड़े होने लगते हैं। अगर आप अपने रिलेशन में माइक्रो चीटिंग की पहचान करना चाहते हैं तो इस का सबसे आसान तरीका है अपने पार्टनर की एक्टिविटी इस पर ध्यान देना। अगर आपका पार्टनर दिन भर चैट या कॉल पर बिजी रहता है, तो यह संकेत है कि वह आपके साथ माइक्रो चीटिंग कर रहा है।

अगर आपका पार्टनर आपके साथ माइक्रो चीटिंग कर रहा है ,तो वह किसी भी खास इवेंट या जगह पर आपके साथ जाना पसंद नहीं करेगा। अगर आपका पार्टनर भी इन दिनों ऐसा ही कुछ कर रहा है, तो यह इशारा है कि उनकी नजदीकियां किसी और से बढ़ने लगी है और वह आपको धोखा दे रहे हैं।ऐसे लोग जो किसी रिलेशन में माइक्रो चैटिंग कर रहे होते हैं, वह अक्सर अपने एक्स को सोशल मीडिया पर स्टॉक करते हैं। इतना ही नहीं वह बार-बार उनसे संपर्क करने की भी कोशिश करते हैं। अगर आपका पार्टनर भी ऐसा ही कुछ कर रहा है, तो यह संकेत है कि वह अपने एक्स से अभी भी भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। अगर आप किसी रिश्ते में हैं और फिर भी आपके मोबाइल पर डेटिंग एप्स हैं, तो यह भी माइक्रो चीटिंग के संकेत हो सकते हैं। आमतौर पर कमिटमेंट के बाद लोग डेटिंग एप्स आदि से दूरी बना लेते हैं, लेकिन रिलेशन में होने के बाद भी इन एप्स का इस्तेमाल माइक्रो चीटिंग की तरफ इशारा करता है।

सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है ये पक्षी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 : ग्रे गो-अवे-पक्षी बड़ा ही अद्भुत है. उसे जानवरों का 'रक्षक' कहें, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि वह शिकारियों से उनकी रक्षा करता है. वह यह काम ऐसे करता है जैसे कि 'सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी' कर रहा हो. जब शिकारी जानवरों और पक्षियों पर हमला करने वाले होते हैं तो ये बर्ड 'गो अवे' की आवाज निकाल कर उनको अलर्ट कर देता है, जिससे वे सभी भाग खड़े होते हैं. अब इसी पक्षी का एक फोटो वायरल हो रहा है, जिसमें ये पक्षी शिकारियों से अपने साथियों की रक्षा करता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फोटो को पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि अफ्रीका में ग्रे गो-अवे-पक्षी अपनी 'गो अवे' आवाज के लिए जाना जाता है. शिकारी इस पक्षी को नापसंद कर सकते हैं, क्योंकि इनकी तेज आवाजें जानवरों को अलर्ट कर सकती हैं, जिससे उनके लिए शिकार करना मुश्किल भरा हो सकता है. इन पक्षियों का शोर अन्य जानवरों को चेतावनी देकर शिकार को प्रभावित कर सकता है।

ग्रे गो-अवे-बर्ड का साइंटिफिक नाम क्रिनिफ़र कॉनकोलर है. ये पक्षी 47-51 सेंटीमीटर लंबा हो सकता है. इसका वजन 200-300 ग्राम हो सकता है. ये पक्षी खुले जंगलों में रहता है, जो जामुन, फूल, पत्तियां, दीमक, बीजपोड, बबूल और घोंघे खाता है. यह अंगोला, नामीबिया, तंजानिया और दक्षिण अफ्रीका सहित मध्य अफ्रीका में पाया जाता है।

वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि जंगल में जानवर चर रहे होते हैं. तभी शिकारी वहां पहुंचता है. वह उनका शिकार करने के लिए धनुष में तीर खींचकर निशाना साधता है. तभी ये पक्षी 'गो अवे' की तेज आवाज निकालता है. इसके बाद जंगल में सभी जानवर भागते हुए दिखते हैं. ऐसा होता ही शिकारी उन जानवरों का शिकार नहीं कर पाता है. इस तरह ये पक्षी अपने साथी जानवरों और पक्षियों की जान बचाता है. वायरल वीडियो बड़ा ही अच्छा है।

आपको बिना जाम के नैनीताल पहुंचाएगा ये रोपवे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 25 नवंबर : नैनीताल आने वाले पर्यटकों के सफर को आसान बनाने के लिए रानीबाग से हनुमानगढ़ी (नैनीताल) तक रोपवे बनाया जाएगा। रोपवे स्टेशनों में पार्किंग की व्यवस्था भी होगी। रोपवे सेवा शुरू होने के बाद पर्यटक जाम में फंसे बिना रानीबाग से नैनीताल का सफर आसानी से पूरा कर सकेंगे। बीते दिन पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने हल्द्वानी में हुई समीक्षा बैठक में रानीबाग-हनुमानगढ़ी नैनीताल तक बनने वाले रोपवे पर समीक्षा की।इस दौरान कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने कहा कि कंसल्टेंट्स के माध्यम से रोपवे के एलाइनमेंट को देखा जा रहा है। साथ ही भूमि की उपलब्धता के साथ रोपवे स्टेशन बनाने को लेकर जरूरी काम किए जा रहे हैं। कमिश्नर ने कहा कि रानीबाग-नैनीताल रोपवे बनने से पर्यटक बगैर किसी जाम के रानीबाग से नैनीताल का सफर पूरा कर सकते हैं। रोपवे स्टेशनों में जरूरत को देखते हुए पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। रोपवे के स्टेशन कहां बनेंगे, इसका निर्णय भविष्य में लिया जाएगा। इसके लिए विभिन्न सरकारी विभाग की भूमि को लीज पर लिया जाएगा। नैनीताल में वाहनों की बढ़ती संख्या, वाहनों के हिसाब से मार्ग और पार्किंग क्षमता कम होने से रोपवे को बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रानीबाग-नैनीताल रोपवे परियोजना को ड्रीम प्रोजेक्ट बता चुके हैं। प्रस्तावित रोपवे की लंबाई करीब 11.45 किमी है, जिसके लिए रानीबाग, ज्योलीकोट व हनुमानगढ़ी में तीन स्टेशन स्थापित किए जाने हैं, यात्रा का सफर 60 मिनट होगा।

नौकरी की शर्तें ! वो जवान, पतली, गोरी और नीली आंखों वाली हों

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , मीडिया में एक दिलचस्प खबर चर्चा में है जो जुडी है कंपनियां में भर्ती में अनुभव और दक्षता से जुडी क्योंकि अपनी सुविधा के हिसाब से कंपनियां नौकरी देने के लिए शर्तें भी तय करती हैं, लेकिन एक एयरलाइंस कंपनी ने लड़कियों को नौकरी देने के लिए ऐसी अजीब शर्तें रखीं कि पूरी दुनिया हैरान रह गई। लोगों का कहना है कि लड़कियों के लिए ऐसी नौकरी करने से बेहतर है कि वे घर पर ही रहें. मामला कोर्ट तक भी पहुंच गया है. 2 लड़कियों ने कंपनी के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की है, जिस पर सुनवाई होनी है. मामले में कंपनी की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है.लॉस एंजिल्स टाइम्स और न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, हम बात कर रहे हैं अमेरिका की यूनाइटेड एयरलाइंस की, जिस पर लड़कियों को नौकरी पर रखने में भेदभाव करने का आरोप लगा है। दरअसल, कंपनी का कहना है कि एयरलाइंस में उन्हीं लड़कियों को नौकरी दी जाएगी जिनकी आंखें नीली होंगी। जो पतली और जवान होंगी . कंपनी की पहली पसंद नीली आंखों वाली लड़कियां होंगी। ऐसी शर्त रखकर कंपनी कार्य अनुभव और दक्षता को नजरअंदाज कर रही है। प्रोफेशनल और कॉलेज स्पोर्ट्स टीमों को सेवाएं देने वाली कंपनी ने चार्टर फ्लाइट्स में अटेंडेंट की नौकरी के लिए ये शर्तें रखीं।

कंपनी ने 2 अटेंडेंट को निकाला

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, एयरलाइंस की दो फ्लाइट अटेंडेंट ने यह मुद्दा उठाया. उन्होंने 25 अक्टूबर को कोर्ट में याचिका दायर की थी. उन्होंने याचिका में कहा कि उन्हें लॉस एंजिल्स डोजर्स बेसबॉल टीम के लिए चार्टर उड़ानों पर काम करने की अनुमति नहीं दी गई थी। कंपनी ने तर्क दिया कि खिलाड़ी ऐसी अटेंडेंट पसंद करते हैं जो जवान, पतली, गोरी और नीली आंखों वाली हों । 50 वर्षीय डॉन टॉड और 44 वर्षीय डार्बी क्यूज़ादा ने आरोप लगाए हैं। दोनों ने कहा कि उन्होंने कंपनी को 15 साल दिए, लेकिन उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इसलिए उन्होंने लॉस एंजिल्स काउंटी सुपीरियर कोर्ट में याचिका दायर की है, क्योंकि कंपनी अपने कर्मचारियों के साथ जाति, जन्म, स्थान, धर्म और उम्र के आधार पर भेदभाव करती है।

"बोधि उत्सव" के उपलक्ष्य में सुभारती अस्पताल देगा निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,24 नवंबर। चकराता मार्ग झाझरा स्थित डॉ० के०के०बी०एम० सुभारती अस्पताल द्वारा "बोधि उत्सव" के उपलक्ष्य में आम जनता को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है । 25 नवंबर 2023 से 25 दिसम्बर 2023 तक चलने वाले इस बोधि उत्सव में सुभारती अस्पताल द्वारा निःशुल्क ओ०पी०डी० परामर्श, निःशुल्क लघु ओ०पी०डी० प्रक्रियाएँ, निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन, निःशुल्क नॉर्मल एवं सिज़ेरियन डिलिवरी शामिल है । इसके साथ ही अन्य रोगों के ईलाज एवं सर्जरी लिए भर्ती मरीजों के लिए अस्पताल का शुल्क माफ किया जा रहा है तथा ओ०पी०डी० सुविधाओं पर विशेष छूट दी जा रही है ।

सुभारती अस्पताल में ई०एस०आई०एस०/आयुष्मान योजना/सी०जी०एच०एस० /एस०जी०एच०एस० एवं टी०पी०ए० के लाभार्थियों एवं कार्ड धारकों के लिए कैश-लेस इलाज एवं सर्जरी की सुविधा भी उपलब्ध है ।

सुभारती अस्पताल के प्रचार-प्रसार एवं मार्केटिंग प्रमुख डॉ० प्रशान्त कुमार भटनागर ने बताया कि बौद्ध धर्म की महायान शाखा संप्रदाय के अनुयायी प्रतिवर्ष 8 दिसंबर को बोधी दिवस के रूप में मानते है । महायान शाखा में मान्यता है कि इस दिन तथागत भगवान बुद्ध ने आत्मज्ञान का अनुभव किया था ।

माउथ ब्लोइंग का काम बना हुनरमंदों की पहचान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , यूपी के फिरोजाबाद शहर को देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक कांच की नगरी के नाम से जाना जाता है. यहां कांच के अलग-अलग तरीके से आइटम तैयार होते हैं. यहां फैक्ट्री में कांच की बोतल से लेकर हैं हर तरह के आइटम तैयार किए जाते हैं. तो वहीं गांव में लोग मुंह से हवा देकर कांच को आकार देते हैं. यहां कांच के कई सारे हैंडीक्राफ्ट आइटम भी तैयार किए जाते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में माउथ ब्लोइंग का काम किया जाता है जो मशीनों के बिना इस काम को कारीगर करते हैं.फिरोजाबाद के गांव नगला उदी में कांच का काम करने वाले कारीगर शिवा ने बताया कि वह कांच से कई सारे हैंडीक्राफ्ट आइटम तैयार करते हैं. उसके बाद कांच को गैस की आग पर रखकर मुंह से पाइप द्वारा हवा देकर उसे डिजाइन दिया जाता है और कांच को कई सारे हैंडीक्राफ्ट आइटमों को तैयार करने के लिए प्रयोग किया जाता है.

मुंह से हवा भरकर आइटमों को तैयार करते हैं

इसके साथ शिवा ने बताया कि इसमें मशीन द्वारा कोई कार्य नहीं होता बल्कि एक कांच की रोड को सामने रखकर मुंह से पाइप द्वारा हवा दी जाती है और हवा का भी एक दायरा होता है. ज्यादा हवा देने पर कांच टूट सकता है खराब हो सकता है. इसलिए इसे किस तरीके से तैयार करना है. यह कारीगर की कलाकारी पर निर्भर करता है.

विदेशों तक भेजा जाता है सामान

कांच के आइटम तैयार करने वाले कारीगर ने बताया कि उनके यहां कांच के सैकड़ों हैंडीक्राफ्ट आइटम जैसे पेड़,फ्रूट, डोमेस्टिक आइटम समेत चीजों को तैयार किए जाते हैं. वहीं इन्हें तैयार कर विदेशों तक भेजा जाता है.

रेड कार्पेट को वीआईपी स्टेटस क्यों माना जाता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 नवंबर , अभी हाल ही में कांस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन हुआ था. इस फेस्टिवल के मौके पर रेड कार्पेट पर दिखने वाली बॉलीवुड-हॉलीवुड की एक्ट्रेसेस ने अपने जलवे बिखेरे. यह जगह आमतौर पर खास लोगों के लिए तैयार की गई थी. जब-जब विशेष अतिथियों का स्वागत किया जाता है, वहां रेड कार्पेट बिछाया जाता है. रेड कार्पेट हमेशा से खास व्यक्तियों के साथ जुड़ा रहा है. ऐसा क्यों है? यहां तक की जब किसी देश से मंत्री या कोई अतिथि भारत की राजनयिक यात्रा पर आता है तो उसके स्वागत में भी रेड कार्पेट बिछाया गया होता है. उस कार्पेट का कलर काला, पीला या नीला भी तो हो सकता है? लेकिन ऐसा नहीं होता. आज की स्टोरी में इसके पीछे का इतिहास जानेंगे.

क्या है इसका इतिहास?

इसका इतिहास यूनानी नाटक अगामेमनॉन से जुड़ा है. यहां इस रंग का आयोजन किया जाता है जो हमेशा से खास लोगों के लिए संरचित रहा है. बीबीसी के एक आर्टिकल में लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट म्यूजियम की क्यूरेटर सॉनेट स्टैनफिल कहती हैं कि रेड कारपेट को राजा-महाराजों से जोड़कर देखा जाता रहा है. रेड कार्पेट से जुड़ी घटना मिलती है, जो इसे खास बनाती है. 1821 में अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मनरो, जब कैलिफ़ोर्निया के जॉर्जटाउन शहर पहुंचे थे, तो उनके स्वागत में रेड कारपेट बिछाया गया था.

एकेडमी अवॉर्ड्स समारोह में भी होता है इस्तेमाल

1922 में रॉबिन हुड फिल्म के प्रीमियर के लिए इजिप्शियन थिएटर के सामने एक लंबा सुर्ख़ कालीन बिछाया गया था. इसके बाद से सितारों का खास परेड हुआ था, जो काफी पसंद किया गया. 1961 में पहली बार एकेडमी अवॉर्ड्स समारोह में रेड कार्पेट का इस्तेमाल किया गया, और इसे खास बनाया गया. इसी तरह यह धीरे-धीरे खास लोगों के लिए सम्मानित हुआ और आज कॉमन हो गया है.

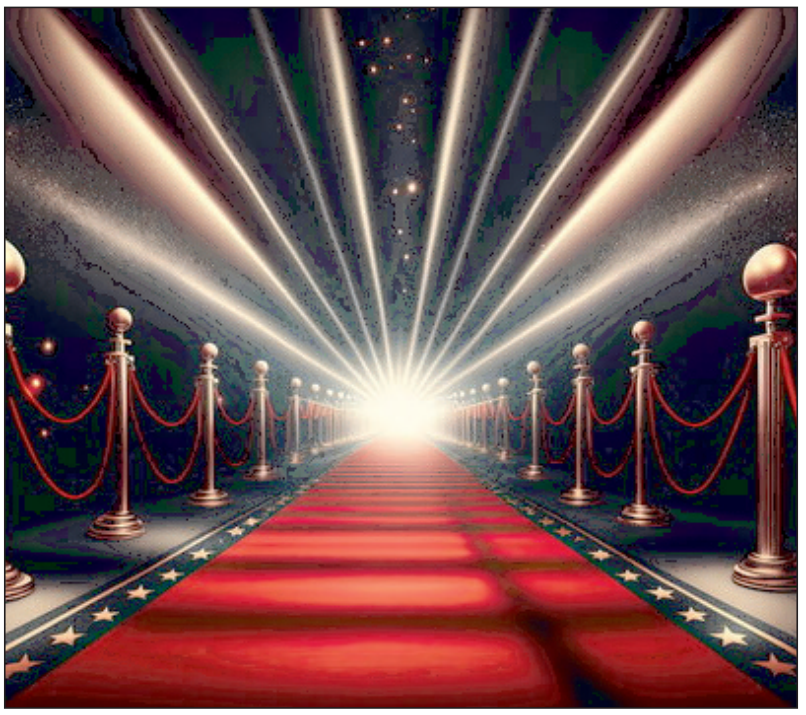

विंध्यवासिनी घाटी में ऑल वेदर रोड का निर्माण किया जाए

ऋषिकेश। गंगा भोगपुर विंध्यवासिनी ऑल वेदर रोड समिति ने यमकेश्वर विधायक से मुलाकात की। उन्होंने विधायक से तालेश्वर विंध्यवासिनी घाटी में ऑल वेदर रोड बनाने की मांग की। शुक्रवार को ऋषिकेश स्थित यमकेश्वर विधायक रेणू बिष्ट के आवास पर यमकेश्वर तालेश्वर विन्ध्यवासिनी घाटी के लोग पहुंचे। उन्होंने कहा कि तालेश्वर विन्ध्यवासिनी घाटी में स्थायी स?क नहीं होने के कारण आसपास के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात में यह क्षेत्र ताल और त्या?ी नदी के उफान पर होने के कारण पूरी तरह से चारों ओर सम्पर्कहीन हो जाता है। यहां ऑलवेदर स?क का निर्माण किया जाए, ताकि यहां के लोग चिकित्सा सहित अन्य सुविधाओं के लिए ऋषिकेश, यमकेश्वर मुख्यालय सहित अन्य जगहों के लिए आवागमन कर सकें। उक्त स?क निर्माण से क्षेत्र और राजाजी नेशनल पार्क में कार्यरत कार्मिकों को काफी सुविधा हो जाएगी। यमकेश्वर विधायक रेनू बिष्ट ने कहा कि यमकेश्वर विधायक होने के नाते वह क्षेत्र की परिस्थितियों से वाकिफ हैं। इस समस्या के लिए वह अपने स्तर से विधानसभा में रखेंगी। इस स?क के निर्माण के लिए सभी तकनीकि और प्रशासनिक राय लेकर उपयुक्त कार्य किया जाएगा।

संपादकीय

मिथकीय कथाएं इतिहास नहीं

आजकल 'रामायण' और 'महाभारत' को स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाने की चर्चा चल रही है। यदि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (एनसीईआरटी) की संबद्ध समिति की सिफारिश स्वीकार की गई, तो स्कूलों में 'इतिहास' की कक्षाओं में इन दोनों महान महाकाव्यों को पढ़ाया जाएगा। यहां कुछ सांस्कृतिक और आस्थामयी गड़बड़ हो सकती है, क्योंकि ऐसी पौराणिक कथाओं को भारतीय संस्कृति में इतिहास से भिन्न माना जाता है। इतिहास में सिकंदर-पोरस, चंद्रगुप्त मौर्य, हूण, यवन, मुगल और अंग्रेजी साम्राज्यों के विवरण भी हैं। किसने भारत पर कितने साल राज किया? किसने, कितने आक्रमण किए और देश को लूटा? साम्राज्यों के नाम और कालखंड क्या थे? युद्ध, हिंसा और हत्याओं के कितने अंतहीन दौर भारत ने देखे और झेले हैं? इतिहास उनका दस्तावेजी संकलन हो सकता है। उनके ब्योरे देते हुए इतिहासकारों की सोच और दृष्टि भी भिन्न रही है, लिहाजा तथ्यों और विश्लेषणों में भी भिन्नता और फासले हैं। 'रामायण' और 'महाभारत' इनसे बिल्कुल अलग हैं। वे सृजनात्मक कृतियां हैं। उनके आधार पर काव्य-शास्त्र की संरचना की गई है। बेशक इन महाकाव्यों में भी कहानियां हैं। इन महाकाव्यों में भी कथाओं के अलावा, साम्राज्य और युद्ध हैं, लेकिन इनके पात्र भारत में आक्रांता के किरदारों में नहीं हैं, वे भारतीय हैं, लिहाजा दोनों महाकाव्य हमारे रोम-रोम में बसे हैं। इनमें दो मिथकीय पात्र हैं-राम और कृष्ण। वे भारत में और अन्य कई देशों में करोड़ों लोगों के आस्था-देव भी हैं। वे अवतारी हैं, लिहाजा मर्यादा पुरुषोत्तम और गिरधर हैं। दरअसल भारत का मिथकीय कथाओं और पात्रों से आस्था, अध्यात्म और संस्कृति का संबंध है। बेशक आम आदमी को ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी न हो, लेकिन वे राम और कृष्ण को 'आराध्य' रूप में स्वीकार करते हैं, लिहाजा 'रामायण' और 'महाभारत' को अच्छी तरह जानते हैं। उसके मद्देनजर स्कूली पाठ्यक्रम में इन दोनों महाकाव्यों को सारांशतः पढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। यदि छात्रों को पढ़ाया जाए कि राम कितने स्वीकारवादी, समन्वयवादी, दलित-पिछड़ावादी महानायक थे, तो वह सार्थक होगा। इसी तरह 'महाभारत' के संदर्भ में 'गीता-उपदेश' के ही महत्त्वपूर्ण भाष्य पढ़ाए जाएं, तो हमारी अगली पीढ़ी भारतीय संस्कृति और अतीत को गहराई से समझ सकेगी। इसी संदर्भ में हमारे पुराण, उपनिषद और चारों वेदों का सारांश अध्ययन भी महत्त्वपूर्ण होगा। दुनिया इन प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन करती है और अपनी भाषाओं में शोध करती है, लेकिन हमारे स्कूली पाठ्यक्रमों में ये ग्रंथ गायब हैं। यदि 'रामायण' और 'महाभारत' को हिंदूवादी सोच और सियासत के मद्देनजर पढ़ाया जाता है, तो सत्तासीन भाजपा इतिहास के साथ कुछ भी खेल कर सकती है। बेशक इसका विरोध होगा, अंततः 'रामायण' और 'महाभारत' के पठन-पाठन को कब तक रोका जा सकता है? ये दोनों महाकाव्य स्थूल और औपचारिक इतिहास से बहुत ऊपर हैं। ये घटनाएं 2500 साल से अधिक प्राचीन हैं। तब न तो कोई विदेशी आक्रांता था, न ही कोई इतिहासकार और इतिहास-लेखन था। चूंकि राम और कृष्ण ने दोनों ऐतिहासिक घटनाओं में सूत्रधार की भूमिका निभाई, लिहाजा इन मिथकीय कथाओं से हम जीवन, संबंधों, नैतिकता, सत्ता, सत्य-शुचिता आदि के बारे में सीखते रहे हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

आज और कल मतदाता सूची में जुड़वा लें अपना नाम

ऋषिकेश। 18 साल की उम्र पूरी कर चुके युवाओं के लिए मतदाता बनने के लिए सिर्फ नौ दिसंबर तक मौका है। इसके बाद कोई भी युवा मतदाता सूची में नाम नहीं जुड़वा सकेगा। नए मतदाताओं के लिए निर्वाचन आयोग ने विशेष कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें न सिर्फ घर-घर जाकर बीएलओ मतदाता बनाने की प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं, बल्कि बूथों पर भी आवश्यक दस्तावेजों के साथ नए मतदाताओं का अवसर प्रदान किया है। तहसीलदार चमन सिंह के मुताबिक शनिवार यानी आज और रविवार को विधानसभा ऋषिकेश के 179 बूथों पर बीएलओ बैठेंगे। लिहाजा, क्षेत्र का कोई भी मतदाता संबंधित बूथ पर जाकर मतदाता सूची में नाम चढ़वा सकता है। नए मतदाताओं के लिए नौ दिसंबर तक का ही वक्त है। इसके बाद आपत्तियों का निस्तारण होगा और फिर 2024 के जनवरी माह में मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। तहसीलदार ने बताया कि इस बाबत एसडीएम योगेश सिंह मेहरा ने सभी बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले बीएलओ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

यूरोप में सनातन धर्म का प्रचार- प्रसार करेंगे महंत रवि प्रपन्नाचार्य

ऋषिकेश। तुलसी मानस मंदिर के महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज यूरोप में सनातक संस्कृति का प्रचार प्रसार करेंगे। इसके लिए वे दो माह के दौरे पर यूरोप रवाना हुए। रवानगी से पूर्व ऋषिकेश के संतों ने उन्हें सम्मानित कर रवाना किया। शुक्रवार को ब्रह्मपुरी स्थित श्रीराम तपस्थली आश्रम में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आध्यात्मिक यात्रा में यूरोप जा रहे तुलसी मानस मंदिर के महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महामंडलेश्वर स्वामी दयाराम दास महाराज ने बताया कि महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज दो माह के यूरोप दौरे पर रवाना हुए हैं। उनका यह आध्यात्मिक यात्रा है, जिसमें वह दो माह तक स्पेन, हंगरी, बुडापेस्ट आदि जगहों पर सेमिनार में शिरकत करेंगे। जिसमें वह युवाओं को सनातक धर्म के प्रति जागरूक करेंगे। रवानगी से पहले महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि विदेशों में लोगों को गो, गंगा, गायत्री के प्रति जागरूक किया जाएगा। सनातन धर्म में प्रकृति संरक्षण का भी संदेश है, जिसे यूरोप के लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

भारत-नेपाल आपसी समन्वय से रोकेंगे मानव तस्करी

चम्पावत। भारत-नेपाल के अधिकारी आपसी समन्वय से बच्चों के अवैध व्यापार और मानव तस्करी को रोकेंगे। कंचनपुर में नेपाल की 'किन संस्था' की ओर से क्रॉस बार्डर बैठक में यह निर्णय लिया गया। गुरुवार को नेपाल के कंचनपुर में नेपाल की 'किन संस्था की ओर से क्रॉस बार्डर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें भारत की ओर से चम्पावत के बाल कल्याण समिति और रीड्स संस्था के लोगों ने हिस्सा लिया। रीड्स के सदस्य मनोज तिवारी ने बताया कि बैठक में दोनों देशों की तमाम एजेंसियों ने हिस्सा लिया। बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य सीमा पर बच्चों के अवैध व्यापार को रोकना है। जिस पर नेपाल की थ्रि एंजेल, माइती, आशीष, पीआरसी और किन संस्था की ओर से अपने-अपने सुझाव दिए गए। बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दोनों देशों के अधिकारी सीमा पर आपसी समन्वय के जरिए बच्चों के अवैध व्यापार को रोकेंगे। सीमा पर निरंतर चेकिंग और गश्त के जरिए भी इन पर रोकथाम लगाई जाएगी। इसके अलावा सीमा पर आपराधिक गतिविधियों पर नजर रख सुरक्षा एजेंसियों की मदद की जाएगी।

ये लोग रहे बैठक में मौजूदः

टनकपुर। एसपी कंचनपुर प्रेम बहादुर रावल, कंचनपुर एडीएम धर्मराज जोशी, कंचनपुर की डिप्टी मेयर कनक खडक़ा जोशी, महेंद्रनगर डिप्टी मेयर कंचन लेखक, किन संस्था के हेड वीर बहादुर, रीड्स संस्था प्रकाश चंद्र, अपरा संस्था सोनी थापा आदि रहे।

लोगों को दी कानूनी जानकारियां

चम्पावत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चम्पावत की ओर से लोहाघाट क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान लोगों को प्राधिकरण की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं और विभिन्न कानूनी जानकारियां दी गई। प्राधिकरण की अध्यक्ष कहकशा खान और सचिव शिवानी पसबोला के दिशा निर्देशन में पीएलवी रेनू गडक़ोटी और सावित्री राय ने लोगों को प्राधिकरण की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं, सरकार की ओर से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं तथा राष्ट्रीय लोक अदालत, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों की जानकारी दी।

श्रीदेवसुमन विवि के खेल मैदान का काम अधर में अटका

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय उत्तराखंड ऋषिकेश कैंपस में खेल मैदान समतलीकरण का कार्य छात्र राजनीति के भेंट चढ़ गया है। मैदान पर कुछ रोज कार्य हुआ, लेकिन उसे पूरा करने से पहले ही बीच में रूकवा दिया गया। अब कैंपस के खिलाडियों को आधे अधूरा खेल मैदान में खेलने में दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ऋषिकेश कैंपस के खिलाड़ी इन दिनों नॉर्थजोन में अलग-अलग विश्वविद्यालयों में अंतर महाविद्यालयी खेल में अपना हुनर दिखा रहे हैं। लेकिन उनके अपने कैंपस में अभ्यास करने के लिए व्यवस्थित मैदान नहीं है। बीते सितंबर माह में हुए एनएसयूआई के छात्रसंघ समारोह में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष साक्षी तिवारी द्वारा खानपुर विधायक को बतौर मुख्य अतिथि बुलाया गया। जिसमें खानपुर विधायक उमेश कुमार ने ऋषिकेश कैंपस के खेल मैदान का समतलीकरण कर व्यवस्थित करवाने की घोषणा की थी। 11 अक्तूबर को पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी सुरेश रैना के साथ विधायक उमेश कुमार ने ऋषिकेश कैंपस में खेल मैदान समतलीकरण कार्य का शुभारम्भ किया। जिसके बाद मैदान को समतलीकरण का कार्य शुरू हुआ। लेकिन छात्रसंघ चुनाव के मौहाल के चलते कार्य को रूकवा दिया गया। बीती 7 नवंबर को चुनाव के बाद से अब तक मैदान समतलीकरण का कार्य फिर शुरू नहीं हो सका। हालांकि पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष साक्षी तिवारी द्वारा पत्रकारवार्ता में स्पष्ट किया गया था कि एनएसयूआई के भीतरी कलह के चलते काम रूकवा दिया गया है। वहीं वर्तमान छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव का कहना है कि यदि कार्य जल्द से जल्द शुरू नहीं कराया गया तो वे कैंपस की सरकारी भूमि को खुर्दबुर्द किए जाने की शिकायत पुलिस से करेंगे। कहा कि कैंपस के खिलाडियों को अभ्यास करने के लिए अन्यत्र जाना पड़ रहा है। खानपुर विधायक उमेश कुमार का कहना है कि मैदान समतलीकरण का कार्य बंद नहीं किया गया है। छात्रसंघ चुनाव के चलते कुछ दिन के लिए रोक दिया गया। जल्द कार्य शुरू करवाया जाएगा।

डिप्रेशन की स्थिति में इस तरह से रखे अपना ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 नवंबर : डिप्रेशन यानी अवसाद की समस्या आज बेहद आम है। कई बार अवसाद हम पर कुछ इस तरह हावी हो जाता है कि मन में आत्महत्या तक के विचार घर कर जाते हैं। लेकिन अगर शुरुआत में ही डिप्रेशन के लक्षणों को पहचानकर आप इन्हें दूर करने का प्रयास करें तो बिना किसी डॉक्टरी उपचार के आप डिप्रेशन से छुटकारा पा सकते हैं।सबसे पहले डिप्रेशन दूर करने के लिए आठ घंटे की नींद लें।

नींद पूरी होगी तो दिमाग तरोताजा होगा और नकारात्मक भाव मन में कम आएंगे।प्रतिदिन सूरज की रोशनी में कुछ देर जरूर रहें। इससे अवसाद जल्दी हटेगा।बाहर टहलने जाएं। रोज बाहर टहलें, कभी-कभी कॉफी शॉप में कुछ समय बिताएं या बाहर खाना खाने जाएं। इससे मन में उत्साह बना रहेगा।अपने काम का पूरा हिसाब रखें। दिन भर में आप कितना काम करते हैं और किस गतिविधि को कितना समय देते हैं इस पर जरूर गौर करें। इससे आपको सभी गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने में आसानी होगी और तनाव कम होगा।ध्यान व योग को दिनचर्या में शामिल करें।

क्या आपको बहुत ज्यादा गुस्सा आता है? छोटी-छोटी बातों पर आपको गुस्सा आता है या फिर एक बार गुस्सा आ जाए तो खुद को शांत करना आपके बस में ही नहीं होता? अगर आप गुस्से पर नियंत्रण से संबंधित किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं तो जरा इन उपायों पर गौर करें एक बार जब आपने अपने गुस्से पर थोड़ा नियंत्रण कर लिया तो शांत दिमाग से सोचें कि मुद्दा क्या था, गलती किसकी थी और अब आगे क्या करना है। इससे फायदा यह होगा कि आपको पूरे मामले में अपनी गलती भी समझ में आ जाएगी।अब आप अपनी बात सामने वाले के आगे सौम्यता से रखें। अगर कहीं आपकी गलती है तो सबसे पहले माफी मांग लें जिससे आपको अपनी बात कहने में संकोच न हो। इस तरह किसी भी परिस्थिति में क्रोध पर नियंत्रण पाने के इस उपाय पर हमेशा अमल करने से धीरे-धीरे आपका गुस्सा खुद ही कम होने लगेगा।

15 लाख प्याज की पौध किसानों को देगा उद्यान विभाग

बागेश्वर। उद्यान विभाग की नर्सरी में इस बार प्याज की बेहतर उत्पादन हुआ है। इसमें 15 लाख पौध तैयार हो रहे हैं। इन पौधों को 50 प्रतिशत सब्सिडी में किसानों को दिया जा रहा है। एग्रीफाइंड लाइट रेड किस्म का प्याज किसानों की तकदीर बदलने में सहायह होगा। पौध लेने के लिए सुबह से लोग पहुंच रहे हैं। सबसे अधिक किसान घिरौली, कठायतबाड़ा, बिलौना, फल्टनियां, आरे, द्वारसौं, तुपेड़ के किसान पहुंच रहे हैं। उद्यान विभाग ने हर साल की तरह इस साल भी पिंडारी मार्ग स्थित नर्सरी में प्याज की पौध तैयार किया है। इस पौधों को शुक्रवार को से किसानों को दिया जा रहा है। नर्सरी में इस बार 15 लाख पौधों का उपत्पादन हुआ। जो गत वर्ष से दो लाख अधिक है। पौधों को लेने के लिए सुबह से किसान पहुंच रहे हैं। 60 रुपये की गड्डी में एक हजार पौध हैं। अब तक चार लाख प्याज की पौध बिक चुकी है। यह पौध 50 प्रतिशत सब्सिडी में किसानों को दिया जा रहा है। पहले आओ, पहले पाओ योजना के तहत इन्हें दिया जा रहा है। इधर नर्सरी प्रभारी प्रमोद सिंह राणा ने बताया कि गत वर्ष से इस बार दो लाख पौध अधिक हैं। किसान सुबह से इन्हें लेने आ रहे हैं। एग्रीफाइंड लाइट प्याज के उत्पादन के लिए जिले की आबोहवा मुफीद है।

स्टोन क्रशरों से ट्रक व पिकअप में अंडर लोग जाएगा खनिज पदार्थ

बागेश्वर। ट्रक व डंपर स्वामियों व चालकों की यहां आयोजित बैठक में अंडरलोट सामग्री ले जाने पर सहमति बनी है। तय किया गया कि ट्रक के साथ पिकअप वाहन भी अंडरलोड ही चलेंगे। इसके बाद भी यदि पुलिस ने जांच के नाम पर उत्पीडन किया तो उसे सहन नहीं किया जाएगा। पुलिस के खिलाफ समूचे जिले में आंदोलन का बिगुल फुंक दिया जाएगा। शुक्रवार को नरेंद्रा पैलेसे में आयोजित बैठक में सभी ट्रक स्वामियों चालकों ने कहा कि सभी लोग अंडर लोड और नियम के तहत वाहन चलाएंगे। जिससे सभी वाहन स्वामियों का हित हो सके, साथ ही क्रेशर स्वामियों ने भी बैठक में अंडर लोड वाहन चलाने पर सहमति जताई है। क्रशर स्वामी नवीन परिहार ने कहा पिकअप वाहनों को भी अंडरलोड चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा उनके क्रशर से जो भी माल पिकअप या ट्रकों में जाएगा सब अंडरलोड जाएगा। परिहार ने कहा कि ओवरलोड से हादसा होने का खतरा भी रहता है अंडरलोड जाने से हादसा भी कम होंगे। साथ ही उन्होंने सभी को अंडरलोड चलने में सहयोग करने की अपील भी की। वाहन स्वामी दीप जोशी, नवीन परिहार, मनीष रावत आदि मौजूद रहे।

उडलगावं की बदलेगी तस्वीर प्रशासन ने की ताम्र शिल्प गोष्ठी

बागेश्वर। जिला मुख्यालय आठ किमी दूर उडलगांव की जल्द तस्वीर बदलेगी। गांव को अब नई पहचान मिलेगी। जिला प्रशासन ने उडलगांव में ग्रामीणों की समस्याओं को समझने के लिए ताम्र शिल्प गोष्ठी आयोजित की। मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे। यहां ग्रोथ सेंटर की स्थापित किया।

पाटी अस्पताल में उपलब्ध नहीं है कैल्शियम

चम्पावत। पाटी अस्पताल में कैल्शियम की उपलब्धता नहीं है। इससे गर्भवती महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को मजबूरी में बाजार से दवाई खरीदनी पड़ रही है। पाटी अस्पताल में पिछले चार-पांच माह से कैल्शियम की दवा नहीं मिल पा रही है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कैल्शियम की नहीं मिलने से गर्भवती महिलाओं और लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। लोग कैल्शियम बाजार से खरीद रहे हैं। गर्भवती कुसुम बोहरा, मनीषा देवी, रेनू आदि ने बताया कि बीते दिनों अस्पताल से आयरन और कैल्शियम की दवा लेने गए। लेकिन उन्हें अस्पताल से दवाई उपलब्ध नहीं हो सकी। उन्होंने अस्पताल में दवा उपलब्ध कराने की मांग की है। इधर पाटी अस्पताल की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. गुरुशरण कौर ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से सीएमडी से कैल्शियम की सप्लाई नहीं हो पा रही है। बताया कि दवाईयों की मांग की गई है।

चम्पावत में महिलाओं ने तुलसी व्रत का उद्यापन किया

चम्पावत। श्रद्धालुओं ने तुलसी व्रत का उद्यापन किया। इस दौरान महिलाओं ने उपवास धारण कर तुलसी और शालिग्राम का विवाह कराया। चम्पावत में शुक्रवार को महिलाओं ने तुलसी व्रत का उद्यापन किया। पुरोहित दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि तुलसी शालिग्राम का विवाह कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को किया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार तुलसी पूर्व जन्म में वृंदा नाम की लडक़ी थी। राक्षस कुल में जन्म लेने के बाद भी वह भगवान विष्णु की भक्त थी। बाद में उसका विवाह दानव राज जलंधर से हुआ था। एक बार देवताओं और दानवों में युद्ध हुआ।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो में मंजू ने जीता स्वर्ण

पिथौरागढ़। बागेश्वर में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीजीआईसी की छात्रा मंजू बोहरा ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में पिथौरागढ़ ने छह स्वर्ण पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाडी मध्य प्रदेश में होने वाली राष्ट्रीय विद्यालयी में प्रतिभाग करेंगे। मंजू जीजीआईसी पिथौरागढ़ में 12वीं कक्षा की छात्रा है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण घनश्याम ओली चाइल्ड वेलफेयर सोसायटी ने उन्हें आगे बढ़ाने का जिम्मा लिया। मंजू का सपना खेल प्रशिक्षक बनना है। इस प्रदर्शन के लिए मंजू ने कोच रवि पांडे का आभार व्यक्त किया। संस्था अध्यक्ष ने बताया की मंजू प्रतिभा की धनी है। वह अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए बिना रूके निरंतर प्रयास करती रहती हैं। उन्होंने बताया की शिक्षा के साथ ही वह खेल में भी अव्वल है। उन्होंने इस जीत का श्रेय मंजू की असाधारण मेहनत और उनके कोच रवि पांडे को दिया। इस मौके पर बच्चे और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

समानता पार्टी नगर निकाय , पंचायत व लोक सभा चुनाव में उतारेगी प्रत्याशी

पिथौरागढ़। समानता पार्टी नगर निकाय, पंचायत व लोक सभा चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेगी। पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष नवीन कांडपाल ने यहां पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में प्रदेश के समग्र विकास के लिए समानता आधारित समाज की स्थापना को काम करने की जरूरत बताई गयी। इस दौरान केन्द्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी योग्यता व समानता आधारित समाज के संकल्प के साथ चुनाव मैदान में जाएगी। कांडपाल ने कहा नगर पंचायत, जिला पंचायत, लोक सभा चुनाव में पार्टी योग्य प्रत्याशी मैदान में उतारेगी। कहा कि उनकी पार्टी लोकतंत्र की मजबूती के लिए काम करेगी। बैठक में आर्थिक आधार पर आरक्षण, सशक्त भू कानून, अनिवार्य चकबंदी, मूल निवास वर्ष 1950 के अनुसार बनाने को भी संघर्ष करने की बात कही गई।वक्ताओं ने रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग की।

टनकपुर में युवक ने ब्लेड से अपना गला काटा

चम्पावत। टनकपुर में एक युवक ने ब्लेड से अपना गला काट लिया। बीमारी से परेशान होकर युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार को टनकपुर के नई बस्ती, वार्ड-पांच निवासी 35 वर्षीय उमाशंकर पुत्र बाबू लाल ने ब्लेड से गला काट लिया। परिजनों के मुताबिक बीते कई सालों से उमाशंकर टीबी की गंभीर बीमारी से जूझ रहा है। उपचार के बाद भी युवक की हालत ठीक नहीं हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक प्रदीप बत्रा ने 200 लाभार्थियों को चेक वितरित किए

रुडक़ी। आज दिनांक 24 नवंबर 2023 को विधायक प्रदीप बत्रा के नहर किनारे स्थित सेवा केंद्र (कैंप कार्यालय) पर गत भारी बरसात में क्षेत्रीय लोगों के घरों में जलभराव के कारण हुए हानि के लिए विधायक प्रदीप बत्रा , भाजपा जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति , एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनीषा बत्रा के द्वारा राहत कोष से चेको का वितरण किया गया, जिसमे लगभग 200 लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए है ।इस मौके पर विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा गया कि उत्तराखंड की धामी सरकार समाज के हर वर्ग के साथ खड़ी हुई है। भारी बरसात के कारण लोगों को बहुत नुकसान पहुंचा था इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा समन्धित लोगो को सहायता प्रदान करने हेतु घोषणा की गई थी । जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति के द्वारा भी माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी का लोगो की जनता को सहायता के लिए धन्यवाद किया । इस मौके पर रुडक़ी पूर्वी एवं पश्चिम के मंडल अध्यक्ष संजीव तोमर एवं संजय त्यागी, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा अनुज सैनी, समर्पण अध्यक्ष नरेश यादव, सतीश सैनी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाषा विभाग के सचिव के नाम साइबर ठगी की कोशिश

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय के भाषा विभाग में तैनात सचिव के नाम ठगी की कोशिश की गई। उनकी तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर डालनवाला राजेश साह ने बताया कि भाषा विभाग के सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी ने तहरीर दी। कहा कि उनके एक मोबाइल नंबर पर वर्तमान में रिचार्ज नहीं है। आरोप है कि उस नंबर से सुमन प्रसाद रतूड़ी, एमपी रतूड़ी समेत कुछ लोगों को मैसेज किए गए। जिसमें सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी का नाम लेते रुपये की मांग की गई। रकम एक मोबाइल नंबर देते हुए उस पर पेटीएम करने को कहा गया। इसका पता पीड़ित को लगा तो उन्होंने डीजीपी कार्यालय में तहरीर दी। तहरीर वहां कोतवाली पहुंची। जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर साह ने बताया कि मैसेज में आरोपी कई-कई हजार रुपये मांगे हैं।

सीनियर नेशनल बास्केटबाल चैंपियनशिप तीन से लुधियाना

देहरादून। लुधियाना (पंजाब) में तीन दिसंबर से शुरू होने वाली 73 वीं सीनियर नेशनल बास्केटबाल चैंपियनशिप के लिए उत्तराखंड के 22 खिलाडियों को कैंप के लिए चयनित किया गया है। उत्तराखंड बास्केटबाल एसोसिएशन के महासचिव मनदीप ग्रेवाल ने बताया कि यह चैंपियनशिप 10 दिसंबर तक लुधियाना में होगी। भारत के पूर्व बास्केटबाल खिलाड़ी व हेड कोच रियाजुद्दीन के नेतृत्व में उत्तराखंड के 12 खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे। हेड कोच रियाजुद्दीन व सहायक कोच बलविंदर सिंह व हरेंद्र सिंह की अगुवाई में इन दोनों ओएनसीजी के ग्राउंड में इन 22 खिलाडियों का कैंप चल रहा है। इनमें से टीम के लिए 12 खिलाडियों का चयन किया जाना है।

सोसायटी के बच्चों ने सिनेमा घर का भ्रमण किया

पिथौरागढ़। देवलथल सज्जन लाल मेमोरियल सोसायटी के बच्चों ने सिनेमा घर का भ्रमण किया। सोसायटी के संस्थापक कमल किशोर के नेतृत्व में बच्चे यहां नैनीसैनी स्थित एक सिनेमा घर पहुंचे। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका बोहरा ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं। उन्होंने बच्चों से ईमानदारी से अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास करने को कहा है। बाद में बच्चों ने सिनेमा घर में लगी फिल्म भी देखेगी। फिल्म को लेकर बच्चे उत्साहित नजर आए।

26 नवंबर को गणमेश्वर मंदिर में होगी बडी जात

पिथौरागढ़। सौन पट्टी क्षेत्र के ग्राम रूम-सकुन गणमेश्वर मंदिर में 25 नवंबर से मेले का आयोजन होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज सिंह रावत ने बताया कि आगामी 25 नवंबर को छोटी एवं 26 नवंबर को बड़ी जात होगी। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय से बाबा की विशेष पूजा अर्चना होती आई है। छोटी जात के दिन महिलाएं पुत्र कामना के लिए रात्रि में दीपक लेकर जागरण करती है।

युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील

पिथौरागढ़। झौलखेत में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र पांडेय ने युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक व मानसिक दुष्परिणामों के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने युवाओं को जीवन में खेल के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने प्रतियोगिता के लिए आयोजक मंडल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से युवाओं का ध्यान गलत दिशा की तरफ नहीं जाएगा।